रिलायंस ने 75 साल पुराने 'एसआईएल' ब्रांड को नए अंदाज में किया लॉन्च

बेंगलुरु, 16 दिसंबर. खाने के शौकीनों के लिए यह खबर किसी ट्रीट से कम नहीं है. रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 75 साल पुराने प्रतिष्ठित फूड ब्रांड एसआईएल को एक बार फिर नए अवतार में बाजार में उतार दिया है.

इसके साथ ही रिलायंस ने पैकेज्ड फूड सेगमेंट में मजबूती से अपने पैर जमा लिए है. कंपनी ने एसआईएल को अपना फ्लैगशिप फूड ब्रांड बनाया है. प्रेस रिलीज के मुताबिक, एसआईएल नूडल्स की एक नई रेंज लेकर आ रहा है.

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर केतन मोदी ने कहा, एसआईएल का रीलॉन्च आरसीपीएल की ग्रोथ जर्नी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. पैकेज्ड फूड सेगमेंट में एसआईएल के जरिए हम एक मजबूत और हर घर तक पहुंचने वाला फूड पोर्टफोलियो बनाना चाहते हैं. एसआईएल विरासत, भारतीयता और इनोवेशन का ऐसा मेल है, जो दुनिया के लिए उच्च गुणवत्ता वाले, वैल्यू-ड्रिवन फूड प्रोडक्ट्स पेश करेगा.

?5 से शुरू होने वाली इस रेंज में मसाला, आटा विद वेजीज़, कोरियन के-फायर और चाउ-चाउ जैसे चार वैरिएंट उपलब्ध होंगे. वहीं, असली टमाटरों से बना एसआईएल केचप बिना किसी कृत्रिम रंग या सिंथेटिक सामग्री के पेश किया जाएगा, जिसकी शुरुआती कीमत रुपए1 रखी गई है. इसके अलावा, आठ फलों से तैयार एसआईएल मिक्स्ड फ्रूट जैम 100 ग्राम, 200 ग्राम और 500 ग्राम पैक में बाजार में उतारा जाएगा, जिसकी शुरुआती कीमत रुपए 22 होगी. कंपनी का दावा है कि इसमें 22 प्रतिशत ज्यादा फ्रूट कंटेंट होगा.

शेयर बाजारों में लगातार दूसरी गिरावट

मुंबई, 16 दिसंबर. घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 533.50 अंक (0.63 प्रतिशत) लुढ़ककर 84,679.86 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 167.20 अंक यानी 0.64 प्रतिशत गिरकर 25,860.10 अंक पर आ गया. यह दोनों सूचकांकों का 10 दिसंबर के बाद का निचला स्तर है.

चौतरफा बिकवाली के बीच सुबह से ही बाजार पर बिकवाली का दबाव रहा. सेंसेक्स एक समय करीब 597 अंक लुढ़क गया था. मझौली और छोटी कंपनियों पर भी दबाव रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.86 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.92 प्रतिशत की गिरावट में रहा.

भारत-जापान व्यापार को नई रफ्तार

आर्थिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने की दिशा में एक अहम कदम : गोयल

नई दिल्ली, 16 दिसंबर. भारत और जापान के बीच आर्थिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है. वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच दोनों देशों के मजबूत होते व्यापारिक रिश्ते रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं.

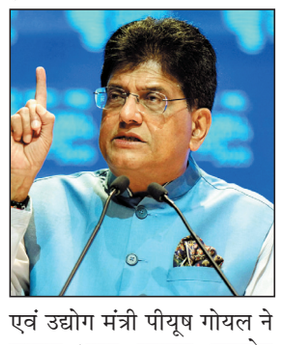

इसी कड़ी में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जापान के शीर्ष उद्योग प्रतिनिधियों से मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की. यह बातचीत सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रही, बल्कि नवाचार, निवेश और औद्योगिक विकास जैसे अहम मुद्दों पर भी केंद्रित रही. भारत-जापान आर्थिक साझेदारी को और गहराई देने के उद्देश्य से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जापान-भारत व्यापार सहयोग समिति (जेबीबीसीसी) के अध्यक्ष तातसुओ यासुनागा और उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की. इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देने, निवेश बढ़ाने और प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में नवाचार को प्रोत्साहित करने पर विस्तार से चर्चा हुई. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर गोयल ने बताया कि यह बातचीत बेहद सार्थक रही और दोनों पक्षों ने पारस्परिक विकास एवं समृद्धि के लिए साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 25.17 अरब डॉलर रहा.

भारत से जापान को इंजीनियरिंग सामान, रसायन, समुद्री उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे उत्पादों का निर्यात होता है. जानकारों का मानना है कि इस तरह की उच्चस्तरीय बैठकें भारत-जापान व्यापारिक रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जा सकती हैं.

श्याम धनी इंडस्ट्रीज़ का 22 दिसंबर से खुलेगा आईपीओ

जयपुर, 16 दिसम्बर. श्याम धनी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 दिसंबर को खुलेगा. कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रामावतार अग्रवाल ने मंगलवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में इसकी जानकारी दी. अग्रवाल ने बताया कि कंपनी ने ऊपरी मूल्य बैंड पर 38.49 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा हैं और शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे.

उन्होंने बताया कि इश्यू साइज 54 लाख 98 हजार इक्विटी शेयरों का है, जिनका फेस वैल्यू 10 रुपए प्रति शेयर है और मूल्य बैंड 65-70 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है. इक्विटी शेयर आवंटन में एंकर पोर्शन अधिकतम 15 लाख 60 हजार, क्वालिफ़ाइड इंस्टिट्यूशनल बायर अधिकतम 10 लाख 44 हजार, नॉन-इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स कम से कम सात लाख 86 हजार, रीटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स कम से कम 18 लाख 28 हजार एवं मार्केट मेकर अधिकतम दो लाख 80 हजार इक्विटी शेयर होंगे. आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग बढ़ती कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने, कुछ बकाया ऋणों के पुनर्भुगतान एवं पूर्व-भुगतान, ब्रांड निर्माण और मार्केटिंग खर्च, मौजूदा विनिर्माण इकाई में नई अतिरिक्त मशीनरी लगाने के लिए पूंजीगत व्यय, मौजूदा विनिर्माण इकाई में सोलर रूफटॉप प्लांट की खरीद और स्थापना, तथा सामान्य कॉरपोरेट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा.

उन्होंने बताया कि आईपीओ का एंकर पोर्शन 19 दिसंबर को खुलेगा, जबकि इश्यू 22 दिसंबर को खुलेगा और 24 दिसंबर बुधवार को बंद होगा. अग्रवाल ने कहा हमारा आईपीओ लॉन्च होना, श्याम धनी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है. वर्षों में हमारी कंपनी एक विविधीकृत खाद्य प्रसंस्करण संगठन के रूप में विकसित हुई है. हम अपने प्रमुख ब्रांड श्याम के तहत विभिन्न प्रकार के मसाले प्रस्तुत करते हैं, साथ ही किराना, जड़ी-बूटियों और सीज़निंग के विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ भारत के बदलते स्वादों के अनुरूप काम करते हैं.

ज्ञान भारतम मिशन

पतंजलि विश्वविद्यालय बना क्लस्टर केंद्र

हरिद्वार, 16 दिसंबर. आज हरिद्वार में आयोजित एक समारोह में संस्कृति मंत्रालय के ज्ञान भारतम मिशन द्वारा पतंजलि विश्वविद्यालय को क्लस्टर केंद्र के रूप में मान्यता दी गई.

इस संबंध में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगगुरु स्वामी रामदेव, कुलपति डॉ. आचार्य बालकृष्ण, ज्ञान भारतम मिशन के परियोजना निदेशक डॉ. अनिर्बन डैश, डॉ. श्रीधर बारीक (समन्वयक, एनएमएम), और श्री विश्वरंजन मलिक (समन्वयक, डिजिटलीकरण, एनएमएम) की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए.

इस अवसर पर योगगुरु स्वामी रामदेव ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री श्री अमित शाह जी, संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र शेखावत जी और ज्ञान भारतम मिशन की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन भारत की संस्कृति आधारित ज्ञान परंपरा के संरक्षण के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि का जीवंत उदाहरण है.

डॉ. आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि इस मिशन के अंतर्गत अब तक 33 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, जिनमें से 20 क्लस्टर केंद्र हैं. इनमें से 8 विश्वविद्यालय हैं और पतंजलि विश्वविद्यालय योग शिक्षा पर आधारित पहला क्लस्टर केंद्र है. उन्होंने बताया कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने 50,000 से अधिक प्राचीन ग्रंथों का संरक्षण किया है, 42 लाख पृष्ठों का डिजिटलीकरण किया है और 40 से अधिक पांडुलिपियों का शोध और पुनर्प्रकाशन किया है.

इस अवसर पर ज्ञान भारतम मिशन के परियोजना निदेशक डॉ. अनिर्बन डैश ने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत, पतंजलि विश्वविद्यालय एक क्लस्टर केंद्र के रूप में कार्य करते हुए न केवल योग और आयुर्वेद पर आधारित पांडुलिपियों पर शोध करेगा, बल्कि इस शोध को शैक्षिक क्रांति से जोड़कर देश और समाज में इसका प्रसार भी करेगा. इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के मानविकी और प्राचीन अध्ययन संकाय की डीन डॉ. साध्वी देवप्रिया, डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, डॉ. सतपाल, डॉ. करुणा, डॉ. स्वाति, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. रश्मी मित्तल, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के छात्र और वैज्ञानिक उपस्थित थे.

रिकॉर्ड निचले स्तर पर फिसला भारतीय रुपया

नई दिल्ली, 16 दिसंबर. भारतीय रुपये की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है. अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अब तक के सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गया है, जिससे बाजार और आम लोगों दोनों की चिंता बढ़ गई है. भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक संकेतों ने रुपये पर दबाव बना दिया है.

हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर इंडेक्स में हल्की नरमी ने नुकसान को कुछ हद तक सीमित रखा है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल रुपये की राह आसान नजर नहीं आ रही. भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 9 पैसे गिरकर 90.87 पर खुला, जो अब तक का सर्वकालिक निचला स्तर है. यह पिछले बंद भाव के मुकाबले कुल 29 पैसे की गिरावट को दर्शाता है. शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया 90.77 से 90.87 के संकीर्ण दायरे में कारोबार करता रहा.

भीम यूपीआई ऐप पर नये यूजरों को जोड़ने के लिए स्वदेशी अभियान

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर. स्वदेशी डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म भीम ने अपने 10वें वर्ष में प्रवेश के मौके पर नये यूजरों को जोड़ने के लिए सोमवार को गर्व से स्वदेशी अभियान की शुरुआत की घोषणा की.

इस ऐप को बनाने वाले एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) ने इस विशेष अभियान के तहत 20 रुपये या उससे अधिक के किसी भी लेनदेन पर फ्लैट 20 रुपये कैशबैक की पेशकश की है. हर यूजर को एक महीने में अधिकतम 300 रुपये का कैश बैक मिलेगा. एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललिता नटराज ने कहा, भीम एक डिजिटल, आत्मनिर्भर भारत के आत्मविश्वास और भारतीयों द्वारा हर दिन भुगतान करने के तरीके का प्रतिनिधित्व करता है. गर्व से स्वदेशी अभियान इस विचार में निहित है कि एक स्वदेशी, संप्रभु भुगतान मंच भारतीय यूजर्स की वास्तविक जरूरतों के इर्द-गिर्द बनाया जाना चाहिये.

चार ट्रेनों के ठहराव से कलोल को विकास की रफ्तार

विधायक लक्ष्मणजी ठाकोर ने कलोल स्टेशन पर चार ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, 16 दिसंबर. माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में माननीय विधायक लक्ष्मणजी पुंजाजी ठाकोर ने को कलोल रेलवे स्टेशन पर वलसाड-वडनगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस, जोधपुर-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस और मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ किया.

इस अवसर पर माननीय विधायक, कलोल लक्ष्मणजी ठाकोर ने अपने संबोधन में कहा कि कलोल रेलवे स्टेशन पर 20959/60 वलसाड-वडनगर-वलसाड इंटरसिटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो कलोल को वलसाड, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद तथा वडनगर जैसे महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ती है. 16507/08 जोधपुर-बेंगलुरु-जोधपुर एक्सप्रेस, जो कलोल को राजस्थान, महाराष्ट्र एवं दक्षिण भारत की राजधानी बेंगलुरु से जोड़ती है. 15269/70 मुजफ्फरपुर- साबरमती-मुजफ्फरपुर जनसाधारण एक्सप्रेस, जो कलोल को बिहार सहित उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ती है. 12215/16 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीबरथ एक्सप्रेस, जो कलोल को देश की राजधानी दिल्ली तथा आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधे जोड़ती है.

समाचार विशेष

चुनाव से पहले भाजपा का तगड़ा एक्शन

16 बागी नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

वाशिम . महाराष्ट्र के वाशिम नगर परिषद के चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक अनुशासन को लेकर बड़ा कदम उठाया है. पार्टी नेतृत्व के निर्देशों की अनदेखी करते हुए अधिकृत भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ नामांकन दाखिल करने वाले 16 बागी नेताओं और पदाधिकारियों को भाजपा ने छह वर्षों के लिए निलंबित कर दिया है.

यह चुनाव 20 दिसंबर को होने जा रहा है. यह सख्त कार्रवाई भाजपा के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम चितलांगे ने की है. उन्होंने कहा कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ना अनुशासनहीनता है और ऐसी पार्टी विरोधी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. संगठन की मजबूती और पार्टी की एकजुटता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लेना जरूरी हो गया था.

निलंबन की कार्रवाई जिला से लेकर शहर स्तर तक के कई पदाधिकारियों पर हुई है. इनमें महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और विभिन्न प्रकोष्ठों से जुड़े नेता भी शामिल हैं. पार्टी सूत्रों के अनुसार इन नेताओं को पहले अनुशासन में रहने की हिदायत दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पार्टी प्रत्याशियों के खिलाफ नामांकन दाखिल किया. निलंबित किए गए नेताओं में जिला सचिव करुणा कल्ले, महिला मोर्चा की जिला महामंत्री छाया पवार, पूर्व नगरसेवक प्रभाकर काले, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष वैभव उलेमाले, राजेश विश्वकर्मा, आशा खटके, पूर्व जिला उपाध्यक्ष धनंजय हेंद्रे, वाशिम शहर उपाध्यक्ष संगीता पिंजरकर, अनंत रंगभाल, उत्तर आघाड़ी प्रकोष्ठ प्रमुख सावंतसिंह ठाकूर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सेल के प्रमुख सचिन पेंढारकर, महिला शहर उपाध्यक्ष अनिता इंगोले गजू लांडगे शामिल हैं.

भाजपा नेतृत्व की चेतावनी

भाजपा नेतृत्व ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई अंतिम नहीं है. यदि भविष्य में कोई भी नेता या कार्यकर्ता पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया, तो उसके खिलाफ इससे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी. पार्टी ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे संगठन के निर्णयों का सम्मान करें और अधिकृत उम्मीदवारों के पक्ष में एकजुट होकर काम करें. राजनीतिक जानकारों के अनुसार, नगर परिषद चुनाव से ठीक पहले की गई यह कार्रवाई पार्टी संगठन को मजबूत करने और अनुशासन बनाए रखने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है.

पलानीस्वामी ने अपना दांव चल दिया

चेन्नई. एक तरफ भाजपा की ओर से तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम को वापस अन्ना डीएमके में शामिल कराने या किसी तरह से एनडीए में लाने की कोशिश हो रही है तो दूसरी ओर अन्ना डीएमके नेता ई पलानीस्वामी ने अपना दांव चल दिया.

इससे पहले ही भाजपा के नेताओं की ओर से दबाव बने उन्होंने अपने को अगले साल के विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करा लिया. बुधवार, 10 दिसंबर को पार्टी की बैठक हुई, जिसमें हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए और सबने एक स्वर में पलानीस्वामी को एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किया. बाद में पलानीस्वामी ने कहा कि अन्ना डीएमके और भाजपा को मिला कर 41.33 फीसदी वोट बनता है, जिससे गठबंधन 210 सीटें जीत सकता है. उन्होंने 239 की विधानसभा में 210 सीटों जीतने का लक्ष्य रखा. अब मुश्किल यह है कि न तो पनीरसेल्वम उनको सीएम का चेहरा मानने को तैयार हैं और टीटीवी दिनाकरण व शशिकला को वे सीएम दावेदार के तौर पर स्वीकार्य हैं. दूसरी ओर भाजपा चाहती है कि पनीरसेल्वम और दिनाकरण दोनों एनडीए में लौटें.

अकाली दल और भाजपा का तालमेल होगा!

चंडीगढ़. पंजाब विधानसभा चुनाव में अब एक साल से थोड़ा ज्यादा समय बचा है. 2027 के मार्च में विधानसभा चुनाव होने वाला है. उससे पहले अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी में तालमेल की अटकलें शुरू हो गई हैं. जानकार सूत्रों का कहना है कि दोनों पार्टियों में बैक चैनल वार्ता शुरू हो गई है.

कहा जा रहा है कि दोनों पार्टियों को अंदाजा हो गया है कि अकेले लड़ कर उनको कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है. गौरतलब है कि दोनों पार्टियों का करीब 30 साल का गठबंधन था, जो तीन विवादित कृषि कानूनों और किसान आंदोलन की वजह से टूट गया. उस समय अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल केंद्र सरकार में मंत्री थीं. उन्होंने चुनाव से ऐन पहले किसान आंदोलन के मसले पर केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और अकाली दल ने एनएडीए से तालमेल तोडा. उसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों को बड़ा झटका लगा. अकाली दल 15 से घट कर चार सीट पर आ गई और भाजपा दो से घट कर एक सीट पर आ गई.

इसी तरह लोकसभा चुनाव में अकाली दल दो से घट कर एक सीट पर रह गई और भाजपा दो से घट कर जीरो पर आ गई. अब फिर विधानसभा का चुनाव आ रहा है. दोनों पार्टियों की ओर से कराए गए सर्वेक्षण से पता चल रहा है कि अगर दोनों साथ आ जाएं तो मजबूत त्रिकोणात्मक मुकाबला हो जाएगा. यह बात 2022 और 2024 के चुनाव में दोनों पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत में भी दिख रहा है.

2022 के विधानसभा चुनाव में अकाली दल को 20 फीसदी से कुछ ज्यादा वोट मिले थे और भाजपा के गठबंधन को करीब आठ फीसदी वोट मिले थे. 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को साढ़े 18 फीसदी और अकाली दल को साढ़े 13 फीसदी वोट मिला. यानी दोनों का वोट मिला कर देखें तो विधानसभा के मुकाबले तीन फीसदी का इजाफा हो गया. दोनों का वोट 31 फीसदी था, जो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को मिले 26-26 फीसदी वोट से पांच फीसदी ज्यादा था. तभी दोनों पार्टियों के नेताओं को लग रहा है कि गठबंधन करके लड़ने पर त्रिकोणात्मक मुकाबले में आप और कांग्रेस को हराया जा सकता है. तभी गठबंधन की तैयारी हो रही है और संभावना है कि जल्दी ही दोनों पार्टियां इसे औपचारिक रूप देंगी. फिर हरसिमरत कौर बादल की सरकार में वापसी होगी.

विशेष | **संघ की भाजपा हाईकमान को दो टूक, मोदी के बाद बनेंगे भाजपा का चेहरा?**

योगी का विरोध मतलब बागी

लखनऊ. यूपी में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं. इसको लेकर अभी से सभी पार्टियां रणनीति बनाने में लग गई हैं. इसी कड़ी में भाजपा में भी सियासी हलचल बढ़ गई है. लोकसभा चुनाव 2024 में हुई अनबन के बाद इस बार संघ भी एक्टिव दिख रहा है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस ने चुनाव से पहले भाजपा लीडरशिप के लिए सख्त संदेश भेजा है. 2 दिसंबर को लखनऊ में आरएसएस और भाजपा की मीटिंग हुई थी. खबरों के मुताबिक बैठक में उठे मुद्दे और मैसेज दोनों आरएसएस ने तय किए. बैठक में मुहर लगा दी गई कि यूपी में योगी आदित्यनाथ ही चेहरा हैं. आरएसएस का टिकट बंटवारे से लेकर मुद्दे तय करने में भी दखल होगा. साथ ही एक मैसेज यह भी दिया गया कि लोकसभा चुनाव की तरह भाजपा और आरएसएस में कोई मतभेद नहीं हैं. संघ ने साफ कहा कि यूपी में 2027 में होने वाला विधानसभा चुनाव सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा. उनके नेतृत्व पर जो भी सवाल उठाएगा, उसको बागी समझा जाएगा. यह मैसेज केवल राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए भी है. इस मीटिंग से पहले 24 नवंबर को संघ प्रमुख मोहन भागवत और योगी आदित्यनाथ अयोध्या में मिले थे.

संघ के 'मिशन यूपी' की शुरुआत- बता दें कि लखनऊ में करीब सवा 4 घंटे मीटिंग लखनऊ के संघ कार्यालय में पहले आरएसएस की मीटिंग हुई. लगभग 3 घंटे चली इस मीटिंग में संगठन मंत्री बीएल संतोष, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मौजूद थे.

मीटिंग में संघ के तीन बड़े संदेश

1. **तनातनी से विधानसभा-लोकसभा चुनाव में सीटें घटीं, ऐसा दोबारा न हो** खबरों के अनुसार, लखनऊ में हुई बैठक में स्पष्ट कर दिया गया कि यूपी चुनाव की जिम्मेदारी पूरी तरह पार्टी को नहीं सौंपी जाएगी. विधानसभा चुनाव में संघ की अहम भूमिका होगी और रणनीति से लेकर फैसलों तक में उसका दखल रहेगा. खबरों के अनुसार, 2022 का विधानसभा चुनाव पार्टी ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लड़ा था, लेकिन उस दौरान पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर सवाल उठे थे. कई नेता मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आ गए थे. इसका नतीजा यह हुआ कि 2017 के मुकाबले भाजपा की 57 सीटें कम हो गईं.
2. **योगी के खिलाफ न कोई बयान दे, न खबरें फैलाए** दूसरा बड़ा संदेश पार्टी हाईकमान के लिए था. संघ ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता भी योगी आदित्यनाथ को लेकर कोई बयान न दें और न ही विवादित खबरों को बढ़ावा दें. जनता और विपक्ष के बीच यह संदेश मजबूती से पहुंचाया जाए कि योगी और गृह मंत्री अमित शाह या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मनमुटाव की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है.
3. **यूपी में हिंदूवादी संगठनों और साधु-संतों का बड़ा सम्मेलन**- खबरों के अनुसार, तीसरा अहम मुद्दा सीधे चुनावी रणनीति से जुड़ा है. बैठक में तय हुआ कि 2026 में उत्तर प्रदेश में हिंदूवादी संगठनों और साधु-संतों का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. सम्मेलन में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी और भाजपा के राष्ट्रीय नेता भी शामिल होंगे.